කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

විවෘත සහ දුරස්ථ අධ්‍යයන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය
(බාහිර) - 2008

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දි - HIND-E 1015

හින්දි භාෂා ව්‍යවහාර ප්‍රවේශය සහ නූතන සම්මත හින්දි භාෂාව හැඳින්වීම

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව: 05 කාලය: පැය 03යි.

ප්‍රශ්න **සියල්ලට ම** පිළිතුරු සපයන්න.

**प्रथम भाग**

01. निम्नलिखित शीर्षकों में से किसी **एक** पर लगभग **दो पृष्ठों** का निबंध लिखिए। (20 अंक)

(क) i. यदि मैं विश्वविद्यालय का छात्र होता

ii. सीगिरिय की यात्रा

iii. मेरी पाठशाला

**अथवा**

(ख) **श्री लंका** का वर्णन करते हुए अपने किसी भारतीय मित्र को हिन्दी में (डेढ़ पृष्ठों का) एक पत्र लिखिए।

02. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए। (05 अंक)

i. गुरु जी कक्षा में छात्रों से पढ़ाता हैं।

ii. मेरी नाम अन्छी है और बहुत सुन्दर है।

iii. एक युवक गाँव के ओर जा रही है।

iv. वह आदमी के पास बहुत पैसा हैं।

v. तुम्हारा पुस्तक मुझे दीजिए।

(ख) कोष्ठकों में **दी गयी सूचना के अनुसार** निम्नलिखित वाक्यों को बदलिए। (05 अंक)

i. भैया घर जाता है। (पूर्ण भूत काल)

ii. गायें खेत की ओर जाती हैं। (तात्कालिक वर्तमान काल)

iii. औरत गीत गाएगी। (सामान्य भूत काल)

iv. किसान दुकान से सामान लाया। (भविष्यत् काल)

v. लड़की हमेशा कपड़े धोती रहती है। (सामान्य वर्तमान काल)

(ग) निम्नलिखित शब्दों के **वचन** बदलिए। (05 अंक)

i. केला ii. खिलाड़ी iii. बच्ची iv. नेता v. चिड़ियाँ

(घ) निम्नलिखित शब्दों के **लिंग** बदलिए। (05 अंक)

i. औरत ii. नौकर iii. अध्यापिका iv. नर बिल्ली v. भाई

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों को उचित **विभक्ति प्रत्ययों** से पूरा कीजिए। (05 अंक)

i. बच्चे ..... धूप लग रही है।

ii. रमेश नदी ..... तैरता है।

iii. हम ठीक समय ..... स्कूल जाते हैं।

iv. सिपाही ..... चोर को पकड़ा।

v. लड़का सवेरे घर ..... निकल गया।

03. (क) निम्नलिखित शब्दों को **शुद्ध वर्तनी** में लिखिए। (05 अंक)

i. सामाज vi. सायद

ii. कत vii. बारत

iii. भालक viii. हंसना

iv. परिक्षा ix. संमान

v. सबी लोग x. बाषा

(ख) निम्नलिखित शब्दों को नागरी **अंकों** तथा **अक्षरों** में लिखिए। (05 अंक)

i. 19 ii. 85 iii. 4 1/2 iv. 750 v. 9872

(ग) निम्नलिखित शब्दों के **विरुद्धार्थ शब्द** लिखिए। (05 अंक)

i. आगे ii. सही iii. सच्चा iv. गरीब v. अप्रसिद्ध

04. (क) निम्नलिखित गद्यांश का **सिंहली में** अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

नदी में एक कछुआ रहता था। वह तट पर लेटकर धूप का आनन्द लिया करता था। एक दिन एक खरगोश वहाँ आया। बात ही बात में उन दोनों में दौड़ की बाज़ी लग गयी। दोनों ने वहाँ से एक किलोमीटर दूर एक गाँव तक दौड़ लगाने का निश्चय किया। दूसरे दिन सूर्योदय होने पर दोनों की दौड़ आरम्भ हुई। खरगोश छलाँगें भरता हुआ आगे निकल गया। कछुआ घिसटता हुआ उसके पीछे चला जाता था। खरगोश ने पीछे मुड़कर देखा, कछुआ बहुत पीछे रह गया था। खरगोश ने कुछ और छलाँगें भरीं और एक कुएँ के पास वह रुक गया। वहाँ के एक पेड़ के नीचे वह लेट गया। लेटते ही उसे नींद आ गयी। जब कछुआ लगातार चलता-चलता वहाँ पहुँचा, तो उसने खरगोश को सोये हुए देखा। वह चुपचाप आगे बढ़ गया। अन्त में कछुआ दौड़ से जीत गया।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों का **हिन्दी में** अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

1. ''මං හෙට හින්දි චිත්‍රපටියක් බලන්න යනවා'' මල්ලී අයියාට කීවේය.
2. පිරිමි ළමයා බත් කමින් සිටී.
3. ''අද වහියි ද?'' අම්මා තාත්තාගෙන් ඇසුවා ය.
4. කමල්ගේ නිවස පිහිටා ඇත්තේ මහනුවර ය.
5. කෑමට පෙර අත් සේදීම හොඳ පුරුද්දකි.

05. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर **अपनी हिन्दी** में दीजिए। (15 अंक)

' कुतुब मीनार ' दिल्ली के दर्शनीय स्थलों में अपना विशेष महत्व रखती है। यह पहले सात मंज़िल की थी, जिनमें से दो गिर गयीं। कुछ लोगों का कहना है कि इसे पृथ्वीराज चौहान ने बनवाया था। लेकिन अधिकांश लोग इसे कुतुबुद्दीन ऐबक का बनवाया हुआ मानते हैं। पहले इसकी दो मंज़िलों तक चढ़ने दिया जाता था। इसके निकट ही प्रसिद्ध ' लोह स्तम्भ ' है जो भारत की प्राचीन लोह कला की श्रेष्ठता का प्रमाण है। इस लोह स्तम्भ पर आज तक जंग नहीं लगा है।

महरौली से आगे आधुनिक शैली में बना ' कात्यायनी देवी ' का विशाल मन्दिर है, जिसमें प्रतिदिन

हज़ारों दर्शनार्थ आते हैं। यह अत्यन्त भव्य और आकर्षक है। कनॉट प्लेस में स्थित ' जन्तर-मन्तर ' ज्योतिष शास्त्र पर निर्मित एक अद्भुत चीज़ है। इसे राजा सवाई मानसिंह ने बनवाया था। प्राचीन काल में इससे दिन के समय की जानकारी प्राप्त की जाती थी और रात के समय नक्षत्रों की गणना की जाती थी।

१. ' कुतुब मीनार ' कहाँ पर स्थित है ?

२. इसे किसने बनवाया था ?

३. लोह स्तम्भ किसके लिए प्रसिद्ध है ?

४. ज्योतिष शास्त्र पर आधारित स्थल क्या है ?

५ कात्यायनी देवी मंदिर की विशेषता क्या है ?

*******